PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

Hindustan, Delhi
Mon, 09 Oct 2017, Page 11
Width: 34.31 cms, Height: 26.26 cms, a3r, Ref: 28.2017-10-09.73

भारतीय रेल में पहली बार ऑटोमैटिक ट्रेन मैनेजमेंट सिस्टम इस्तेमाल होगा

मेट्रो की तर्ज पर मालगाड़ी चलेंगी

नई शुरुआत

नई दिल्ली | अरविंद सिंह

पूर्वी और पश्चिमी डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर पर मालगाड़ियों को मेट्रो की तर्ज पर ऑटोमैटिक ट्रेन मैनेजमेंट सिस्टम (टीएमएस) से चलाया जाएगा। भारतीय रेल में इस तकनीक का पहली बार इस्तेमाल किया जा रहा है। विदेशी तकनीक पूर्वी और पश्चिमी कॉरिडोर को एक्सीडेंट फ्री जोन बनाएगी। दावा है कि 100 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार पर भी मालगाड़ियों का परिचालन 100 फीसदी सुरक्षित होगा।

रेल मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि टीएमसी फ्रांस की तकनीक है। इसमें यात्री ट्रेन अथवा मालगाड़ियों का परिचालन मैन्युअल के बजाए ऑटोमैटिक किया जाता है। पूर्वी डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (डीएफसी) का ऑपरेशन कंट्रोल रूम इलाहाबाद में बनाने का काम शुरू हो गया है। कंट्रोल रूम में 80 मीटर की वीडियो वॉल स्क्रीन लगाई जाएगी। स्क्रीन पर लुधियाना से कोलकाता के बीच चलने वाली सभी मालगाड़ियों को कंट्रोलर देख सकेंगे।

पूर्वी-पश्चिमी कॉरिडोर पर ऑटोमैटिक ब्लॉक सिग्नल सिस्टम होगा। प्रत्येक दो किलोमीट पर सिग्नल होंगे और हर किलोमीटर पर मालगाड़ियां एक दूसरे के पीछे चलाई जा सकेंगी। मालगाड़ियों का अपना कलर कोड होगा और यात्री ट्रेनों की तरह उनका नाम और नंबर होगा। इससे ऑपरेशन कंट्रोल में बैठे कंट्रोलर को पता रहेगा कि किस मालगाड़ी में क्या जा रहा है। जल्द खराब होने वाली सामग्री की मालगाड़ियों को प्राथमिकता के आधार पर आगे चलाया जाएगा। वहीं लौह अयस्क, स्टील, लोहा आदि लोड मालगाड़ियां उनके पीछे रहेंगी। टीएमएस तकनीक व ऑटोमैटिक ब्लॉक सिग्नल सिस्टम से मालगाडियों को अधिकतम रफ्तार 100 किलोमीटर प्रतिघंटा पर दौड़ाया जा सकेगा। उनका परिचालन पूरी तरह से सुरक्षित रहेगा। पश्चिमी डीएफसी पर मालगाड़ी परिचालन के लिए ऑपरेशन कंट्रोल रूम नोएडा में होगा। अधिकारी ने दावा किया है कि इस साल दिसंबर तक दोनों कॉरिडोर के एक सेक्शन पर मालगाड़ियां दौड़ने लगेंगी।

टाइम टेबल से चलेंगी मालगाड़ियां

रेलवे अधिकारियों ने बताया कि पूर्वी-पश्चिमी डीएफसी पर मालगाड़ियों को टाइम टेबल से चलाया जाएगा। इसका सबसे बड़ा फायदा व्यापारियों-उद्यमियों को होगा। बुक कराया गया माल कब तक उनके पास पहुंचेगा इसकी उन्हें पूरी जानकारी रहेगी। इसके अलावा मोबाइल एप व डीएफसी की वेबसाइट पर मालगाडी की लोकेशन का पता कर सकेंगे। यात्री ट्रेनों को चलाने के लिए चार्टिंग डिविजन स्तर पर होती है। लेकिन मालगाड़ियों को चलाने के लिए इलाहाबाद स्थित ऑपरेशन कंट्रोल रूम में ऑटोमैटिक चार्टिंग की जाएगी। चार्टिंग के हिसाब से मालगाड़ियों को टाइम टेबल के हिसाब से चलाया जाएगा।

बढ़ेगी रफ्तार

25 किलोमीटर प्रति घंटा वर्तमान में मालगाड़ियों की औसतन रफ्तार है।

80 किलोमीटर औसत रफ्तार होगी मालगाड़ियों की, 100 किमी प्रति घंटा से फर्राटा भरेंगी

32 से 35 टन होगा डीएफसी पर मालगाड़ियों का एक्सल लोड अभी यह लोड सिर्फ 22 टन है